RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई- पाठशाला

12th GEOGRAPHY

# द्वितीयक क्रियाएं

ONE SHOT

09 OCT 2026 || 05:00 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## द्वितीयक क्रियाएँ

प्राकृतिक रूप से प्राप्त कच्चे माल को जब मनुष्य अपना कौशल, ज्ञान एवं श्रम लगाकर नये उपयोगी उत्पाद में बदल देता है तो इसे द्वितीयक क्रिया कहा जाता है।



आर्थिक क्रियाएँ →
=
ऐसी क्रियाएँ जिससे मानव को आय प्राप्त होती है।

आर्थिक क्रियाओं के प्रकार

- आखेट, कृषि, पशुपालन
- प्राथमिक क्रिया
- द्वितीयक क्रिया
- तृतीयक क्रिया
- चतुर्थ क्रिया
- पंचम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- द्वितीयक गतिविधियों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ जाता है।
- प्रकृति में पाए जाने वाले कच्चे माल का रूप बदलकर उसे मूल्यवान बना देता है।
- खदानों से प्राप्त लौह-अयस्क का हम प्रत्यक्ष उपयोग नहीं कर सकते, परंतु अयस्क से इस्पात बनाने के बाद यह मूल्यवान हो जाता है, और इसका उपयोग कई प्रकार की मशीनें एवं औजार बनाने में होता है।

प्रकृति द्वारा प्राप्त कच्चा माल
||
मानव श्रम, कौशल, ज्ञान का उपयोग करके।
||
उपयोगी वस्तु तैयार
द्वितीयक क्षेत्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# विनिर्माण

- विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है 'हाथ से बनाना'।
- विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु के उत्पादन से है।



विनिर्माण का अर्थ
॥
हाथ से बुनना
खदान
॥
लौह अयस्क
॥
प्रत्यक्ष रूप उपयोग नहीं
॥
इस्पात
॥
अनेक कार्यों में उपयोग
Ex- अनेक प्रकार मशीन।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- हस्तशिल्प कार्य से लेकर लोहे व इस्पात को गढ़ना, प्लास्टिक के खिलौने बनाना, कंप्यूटर के अति सूक्ष्म घटकों को जोड़ना एवं अंतरिक्षयान निर्माण इत्यादि सभी प्रकार के उत्पादन को विनिर्माण के अंतर्गत ही माना जाता है।

हस्तशिल्प कार्य से लेकर ।
॥
इस्पात को गढ़ना

## विनिर्माण प्रक्रियाओं की सामान्य विशेषताएँ

- शक्ति का उपयोग
- वस्तुओं का विशाल उत्पादन
- कारखानों में विशिष्ट श्रमिक
- विनिर्माण आधुनिक शक्ति के साधन एवं मशीनरी के द्वारा या पुराने साधनों द्वारा किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ

1. **कौशल का विशिष्टीकरण**

- शिल्प तरीके से कारखाने में थोड़ा ही सामान उत्पादित किया जाता है। जो कि आदेशानुसार बनाया जाता है, अत: इसकी लागत अधिक आती है। जबकि अधिक उत्पादन का संबंध बड़े पैमाने पर बनाए जाने वाले सामान से है जिसमें प्रत्येक कारीगर निरंतर एक ही प्रकार का कार्य करता है।

हस्त शिल्प → कारखानों में उत्पादन किया।

कम मात्रा उत्पादन = लागत अधिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## 2. यंत्रीकरण

यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना। स्वचालित (निर्माण प्रक्रिया के दौरान मानव की सोच को सम्मिलित किए बिना कार्य) यंत्रीकरण की विकसित अवस्था है।



यंत्रीकरण → किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का उपयोग।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. प्रौद्योगिकीय नवाचार

प्रौद्योगिकीय नवाचार

प्रौद्योगिक नवाचार, शोध एवं विकासमान युक्तियों के द्वारा विनिर्माण की गुणवत्ता को नियंत्रित करने, अपशिष्टों के निस्तारण एवं अदक्षता को समाप्त करने तथा प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष करने का महत्वपूर्ण पहलू है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. अनियमित भौगोलिक वितरण

- आधुनिक निर्माण के मुख्य संकेंद्रण कुछ ही स्थानों में सीमित हैं।
- विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिशत से कम भू-भाग पर इनका विस्तार है।

अनियमित भौगोलिक वितरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. संगठनात्मक ढाँचा एवं स्तसीकरण

आधुनिक निर्माण की विशेषताएँ हैं-

(i) एक जटिल प्रोद्यौगिकी यंत्र

(ii) अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन करना।

(iii) अधिक पूँजी

(iv) बड़े संगठन एवं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक

- उद्योग अपनी लागत घटाकर लाभ को बढ़ाते हैं इसलिए उद्योगों की स्थापना उस स्थान पर की जानी चाहिए जहाँ पर उत्पादन लागत कम आए।

उद्योग वहीं स्थापित होंगे।
||
लागत घटाकर
||
लाभ

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाज़ार हैं, क्योंकि इन प्रदेशों के लोगों की क्रय क्षमता अधिक है।

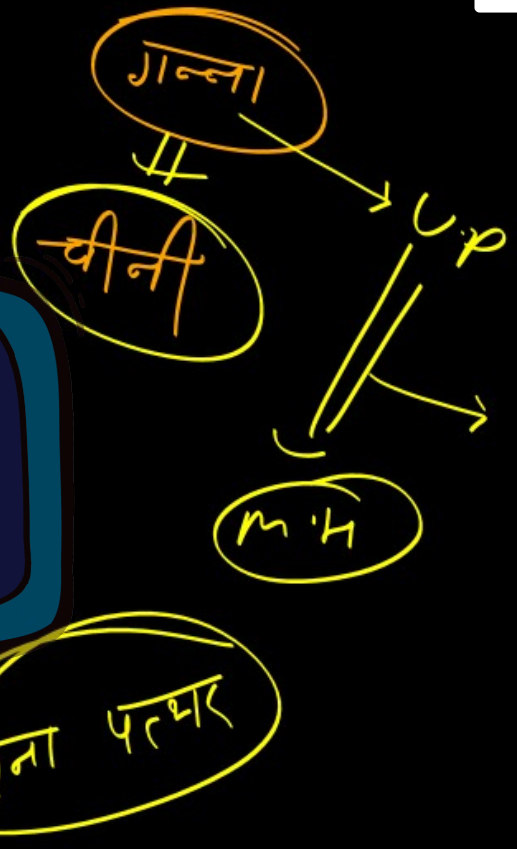


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता

- उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए।
- भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थों (अयस्क) पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोत स्थल के समीप ही स्थित हैं, जैसे- इस्पात, चीनी एवं सीमेंट उद्योग।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता

श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता

उद्योगों की अवस्थिति में श्रम एक प्रमुख कारक है। बढ़ते हुए यंत्रीकरण, स्वचलन एवं औद्योगिक प्रक्रिया के लचीलेपन ने उद्योगों में श्रमिकों पर निर्भरता को कम किया है, फिर भी कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता

वे उद्योग जिनमें अधिक शक्ति की आवश्कता होती है वे ऊर्जा के स्रोतों के समीप लगाए जाते हैं, जैसे एल्यूमिनियम उद्योग। प्राचीन समय में कोयला प्रमुख शक्ति का साधन था पर आजकल जल विद्युत एवं खनिज तेल भी कई उद्योगों के लिए शक्ति का महत्त्वपूर्ण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता

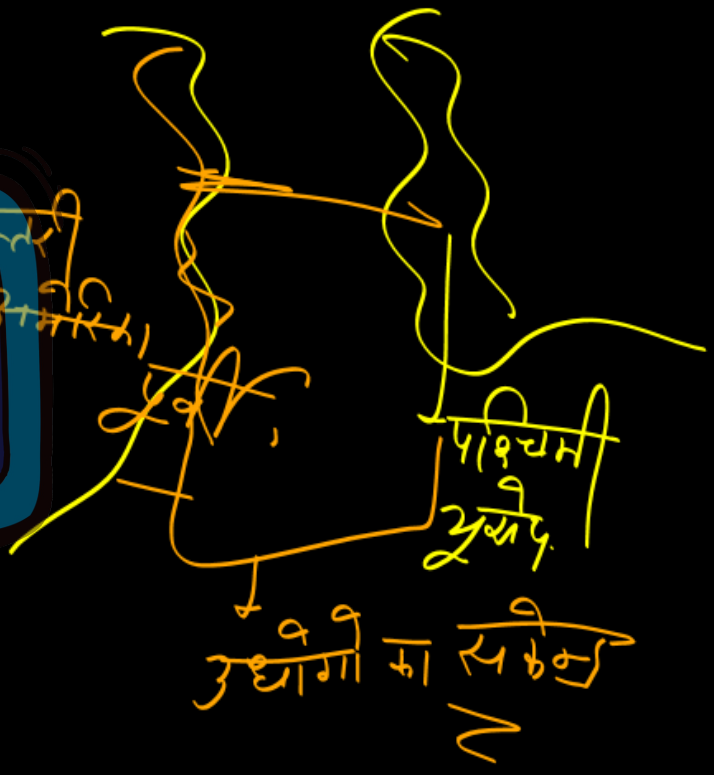
- कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाज़ार तक पहुँचने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं।
- परिवहन लागत किसी औद्योगिक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्त्वपूर्ण कारक हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्रों में उद्योगों का संकेंद्रण हुआ है।





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता/उद्योगों के मध्य संबंध

- प्रधान उद्योग की समीपता से अन्य अनेक उद्योग लाभान्वित होते हैं। ये लाभ समूहन अर्थव्यवस्था के रूप में परिणत हो जाते हैं। विभिन्न उद्योगों के मध्य पाई जाने वाली शृंखला से बचत की प्राप्ति होती है।

7. सरकारी नीति

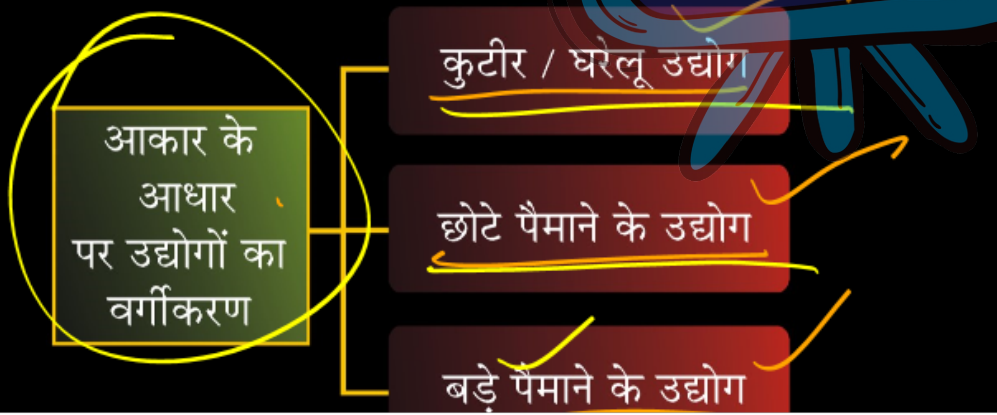
संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती है जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण उनके आकार, कच्चा माल, उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर किया जाता है–



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## कुटीर उद्योग

निर्माण की सबसे छोटी इकाई

- यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औज़ारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के



स्थानीय कच्चे माल उपयोग

परिवार के सदस्यों

स्थानीय गाँव के बाजार विक्रय

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कभी ये अपने उत्पादों की अदला-बदली भी करते हैं। पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं क्योंकि इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उपकरण स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित होते हैं।
- दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औजार, फर्नीचर, जूते एवं लघु मूर्तियाँ।

पूँजी व परिवहन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अतिरिक्त पत्थर एवं मिट्टी के बर्तन एवं ईंट, चमड़े से कई प्रकार का सामान बनाया जाता है।



सुनार सोना, चाँदी एवं ताँबे से आभूषण बनाता है। कुछ शिल्प की वस्तुएँ बाँस एवं स्थानीय वन से प्राप्त लकड़ी से बनाई जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## छोटे पैमाने के उद्योग

- यह कुटीर उद्योग से भिन्न है। इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल (घर से बाहर कारखाना) दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं।
- इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है एवं अर्द्धकुशल श्रमिक व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।



तकनीकी व निर्माण

घर से बाहर इसका निर्माण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- रोज़गार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति बढ़ती है। भारत, चीन, इंडोनेशिया एवं ब्राजील।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## बड़े पैमाने के उद्योग

- बड़े पैमाने के उद्योग के लिए विशाल बाज़ार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों का प्रकार

(i) परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनके समूह कुछ अधिक विकसित देशों में है।

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## औद्योगिक प्रदेश अथवा संकुल



- जब किसी क्षेत्र विशेष में एक समान अथवा एक-दूसरे से अन्तः सम्बन्धित उद्योगों का एक गुच्छ या समूह विकसित होता है तो उसे औद्योगिक प्रदेश अथवा संकुल कहा जाता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## औद्योगिक बस्तियाँ



- नगरों के बाहर औद्योगिक क्षेत्रों में बसाई गई बस्तियाँ।


कृषि आधारित
पशु आधारित
कच्चे माल पर आधारित उद्योग
खनिज आधारित
वन आधारित
रसायन आधारित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## कृषि आधारित

- खेतों से प्राप्त कच्चे माल को विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा तैयार माल में बदलकर विक्रय हेतु ग्रामीण एवं नगरीय बाज़ारों में भेजा जाता है।



- प्रमुख कृषि आधारित उद्योग में भोजन तैयार करने वाले उद्योग, शक्कर, अचार, फलों के रस, पेय पदार्थ (चाय व कॉफी), मसाले, तेल एवं वस्त्र (सूती, रेशमी व जूट) तथा रबड़ उद्योग आते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## कृषि कारखाने

- कृषि व्यापार एक प्रकार की व्यापारिक कृषि है जो औद्योगिक पैमाने पर की जाती है इसका वित्त-पोषण प्रायः वह व्यापार करता है जिसकी मुख्य रुचि कृषि के बाहर हो।
- कृषि व्यापार फार्म से आकार में बड़े, यंत्रीकृत, रसायानों पर निर्भर एवं अच्छी संरचना वाले होते है। इनको 'कृषि कारखाने'

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## खनिज आधारित उद्योग

इन उद्योगों में खनिजों को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

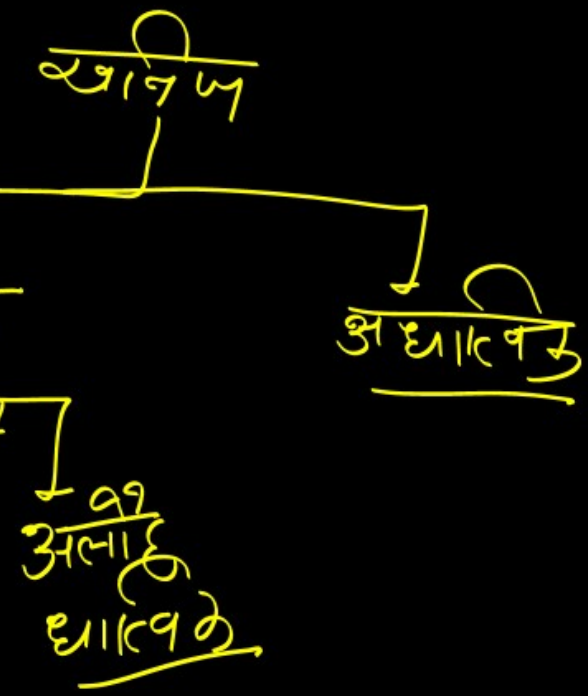
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## धात्विक खनिज उद्योग

- लौह अंश वाले धात्विक खनिज उद्योग- लौह इस्पात उद्योग
- अलौह धात्विक खनिज उद्योग - एल्युमिनियम, ताँबा एवं जवाहरात उद्योग।

## अधात्विक खनिज उद्योग

- उदाहरण :- सीमेंट उद्योग व मिट्टी के बर्तन उद्योग।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## रसायन आधारित उद्योग

- इस प्रकार के उद्योगों में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले रासायनिक खनिजों का उपयोग होता है जैसे पेट्रो रसायन उद्योग में खनिज तेल (पैट्रोलियम) का उपयोग होता है।



- नमक, गंधक एवं पोटाश उद्योगों में भी प्राकृतिक खनिजों को काम में लेते हैं। रसायन उद्योग के अन्य उदाहरण कृत्रिम रेशे बनाना, प्लास्टिक निर्माण इत्यादि है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## वनों पर आधारित उद्योग

- वनों से प्राप्त कई मुख्य एवं गौण उपज कच्चे माल के रूप में उद्योगों में प्रयुक्त होती है।



फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी, कागज़ उद्योग के लिए लकड़ी, बाँस एवं घास तथा लाख उद्योग के लिए लाख वनों से ही प्राप्त होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# पशु आधारित उद्योग



- चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल है।

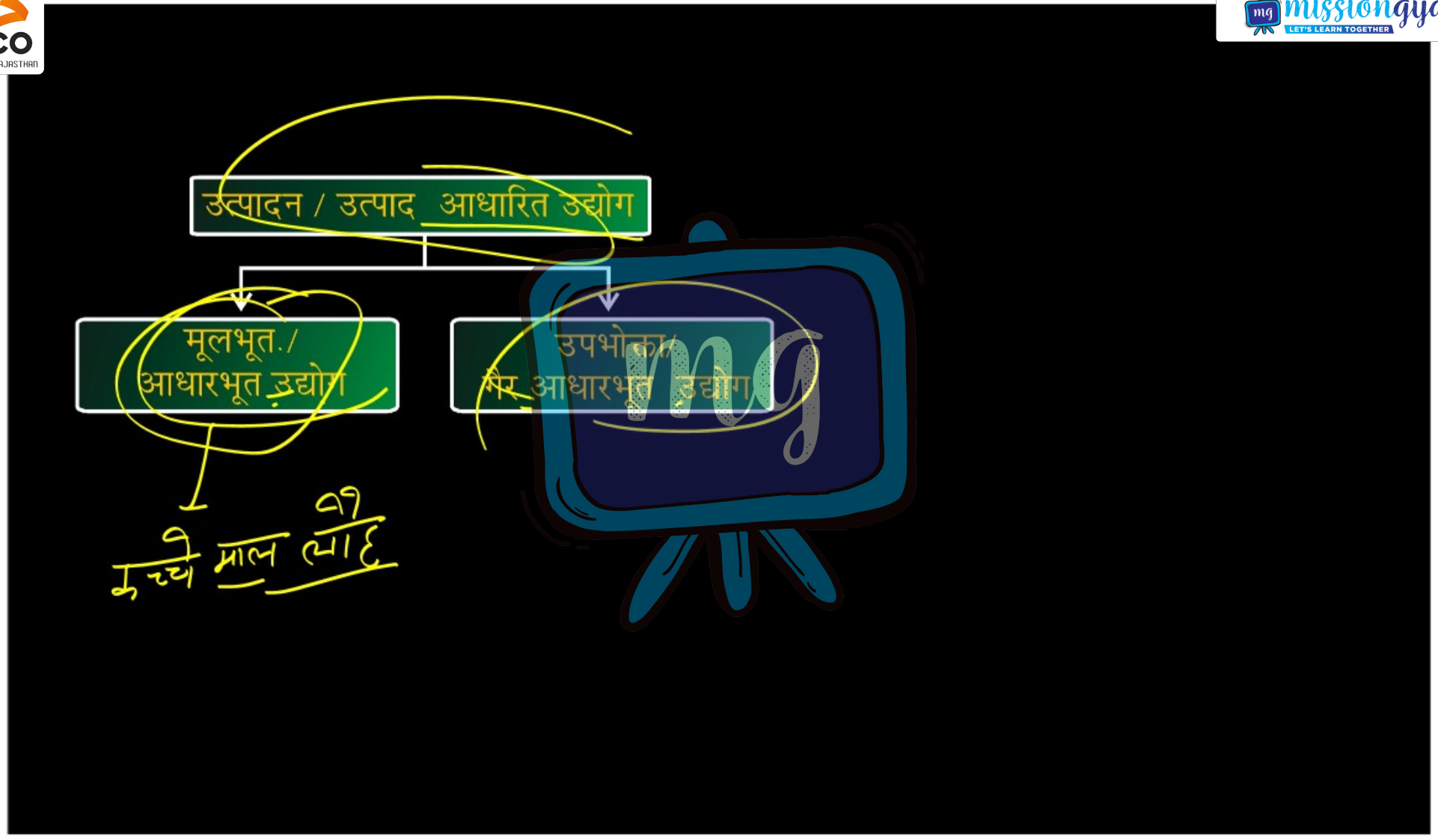
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- चमड़ा उद्योग के लिए चमड़ा एवं ऊनी वस्त्र उद्योग के लिए ऊन पशुओं से ही प्राप्त की जाती है। हाथीदाँत उद्योग के लिए दाँत भी हाथी से मिलता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## आधारभूत उद्योग

मशीनें एवं औज़ार निर्माण में लौह-इस्पात का प्रयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है। लौह-इस्पात स्वयं में एक उद्योग है। वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है उन्हें आधारभूत उद्योग कहते हैं।

लौह-इस्पात
⇓
प्रयोग → कच्चे माल

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

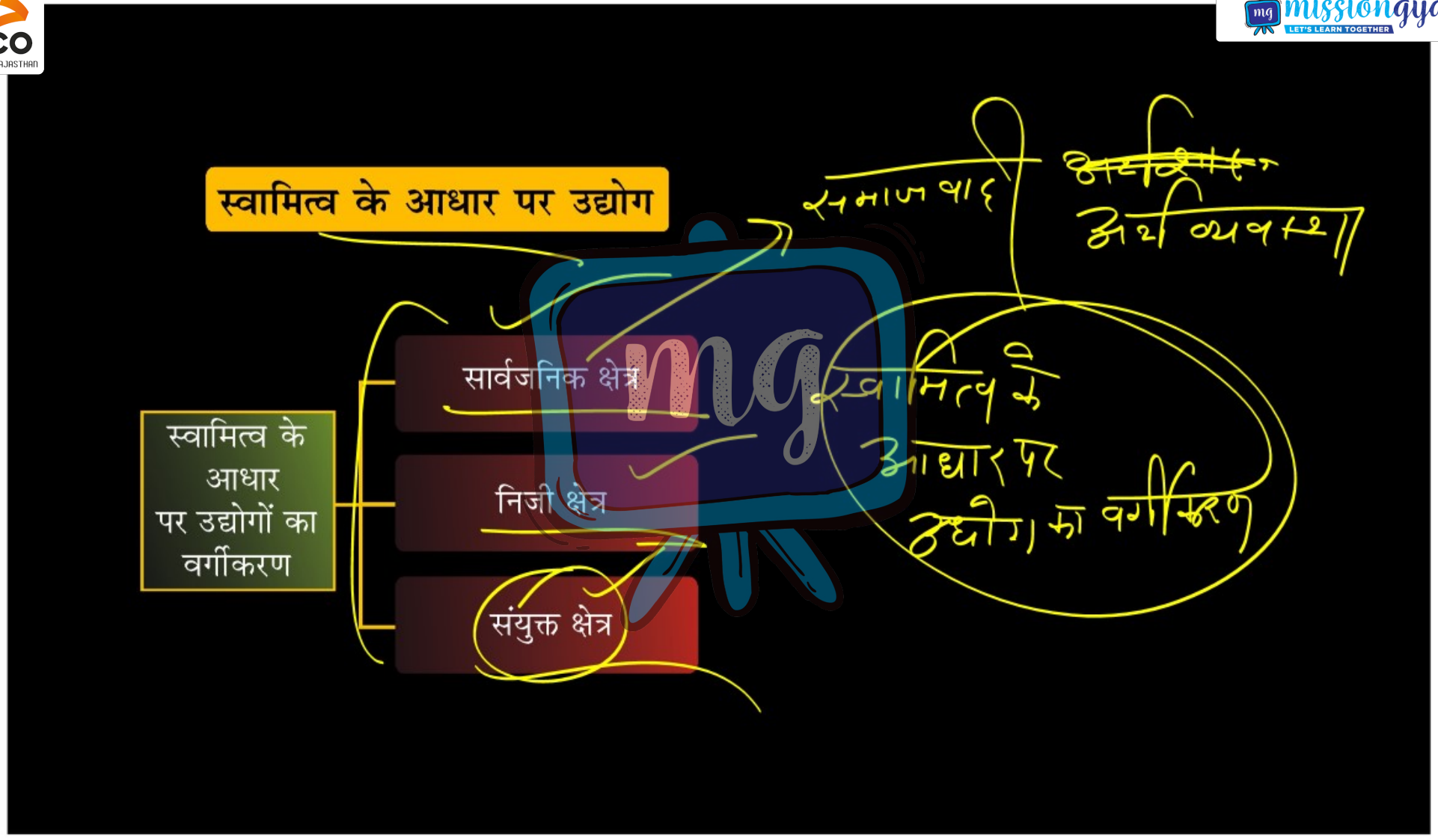
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## उपभोक्ता या गैर आधारभूत उद्योग

- उपभोक्ता वस्तु उद्योग के ऐसे सामान का उत्पादन करते हैं जो प्रत्यक्ष रूप में उपभोक्ता द्वारा उपभोग कर लिया जाता है।
- उदाहरण के तौर पर रोटी (ब्रेड) एवं बिस्कुट, चाय, साबुन, लिखने के लिए कागज़, टेलीविजन एवं शृंगार सामान इत्यादि का उत्पादन करने वाले उद्योगों को उपभोक्ता माल बनाने वाले अथवा गैर आधारभूत उद्योग कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



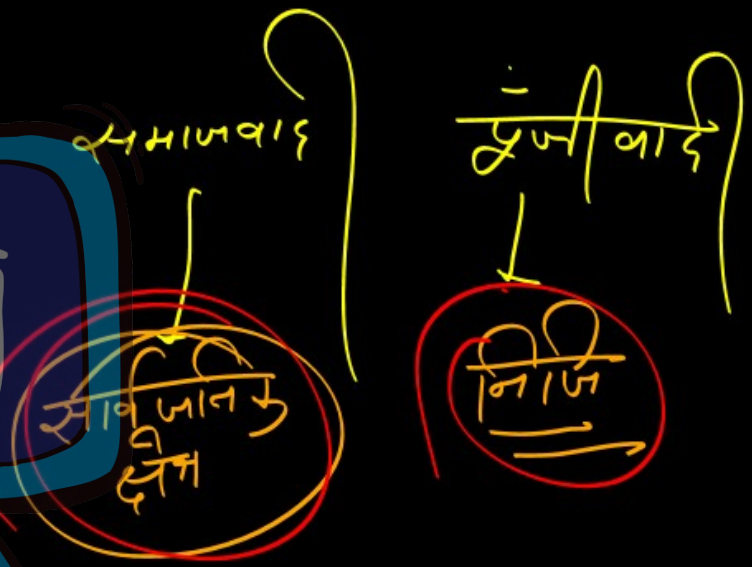
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## क. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग

ये उद्योग सरकार के अधीन होते हैं। भारत में बहुत से उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के अधीन है। समाजवादी देशों में भी अनेक उद्योग सरकारी स्वामित्व वाले होते हैं। मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों प्रकार के उद्यम पाए जाते हैं।

उदाहरण : भिलाई, राउरकेला, बर्नपुर, इस्पात संयंत्र।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ख. निजी क्षेत्र के उद्योगों

इन उद्योगों का स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है। ये निजी संगठनों द्वारा संचालित होते हैं। पूँजीवादी देशों में अधिकतर उद्योग निजी क्षेत्र में है।

उदाहरण : टाटा लोह इस्पात उद्योग।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग. संयुक्त क्षेत्र के उद्योग

इन उद्योगों का संचालन संयुक्त कंपनी के द्वारा या किसी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों द्वारा किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## परंपरागत बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेश

- यह भारी उद्योग के क्षेत्र होते हैं जिसमें कोयला खदानों के समीप स्थित धातु पिघलाने वाले उद्योग, भारी इंजीनियरिंग, रसायन निर्माण, वस्त्र उत्पादन इत्यादि का कार्य किया जाता है।
- इन्हें धुएँ की चिमनी वाला उद्योग भी कहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## परंपरागत औद्योगिक प्रदेशों के पहचान बिंदु

- निर्माण उद्योगों में रोज़गार का अनुपात ऊँचा होता है।
- उच्च गृह घनत्व जिसमें घर घटिया प्रकार के होते हैं एवं सेवाएँ अपर्याप्त होती है।
- इन प्रदेशों में वातावरण अनाकर्षक होता है जिसमें गंदगी के ढेर व प्रदूषण होता है।
- बेरोज़गारी की समस्या, उत्प्रवास, विश्वव्यापी माँग कम होने से कारखाने बंद होने के कारण परित्यक्त भूमि का क्षेत्र।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# जर्मनी का रूहर कोयला क्षेत्र



राईन नदी

- यह लंबे समय से यूरोप का प्रमुख औद्योगिक प्रदेश रहा है। इसे यूरोप का औद्योगिक हृदय भी कहा जाता है कोयला, लोहा एवं इस्पात यहाँ अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार रहा है पर कोयले की माँग में कमी आने के कारण उद्योग संकुचित होने लगा।

- यहाँ लौह अयस्क समाप्त होने पर भी जलमार्ग से आयातित अयस्क का प्रयोग करके उद्योग कार्यशील रहा है।
- जर्मनी के इस्पात उत्पादन का 80 प्रतिशत रूहर से प्राप्त होता है। औद्योगिक ढाँचे में परिवर्तन के कारण कुछ क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट आई है एवं प्रदूषण व औद्योगिक अपशिष्ट की समस्या भी होने लगी है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अब रूहर के भविष्य की संपन्नता कोयले व इस्पात के बजाय नए उद्योग जैसे ओपेल कार बनाने का विशाल कारखाना, नए रासायनिक संयंत्र, विश्वविद्यालय इत्यादि पर आधारित है।
- यहाँ खरीदारी के बड़े-बड़े बाज़ार बन गए हैं जिससे एक 'नया रूहर' भू-दृश्य विकसित हो रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## लौह इस्पात उद्योग

- लौह-इस्पात उद्योग सभी उद्योगों का आधार है इसलिए इसे आधारभूत उद्योग भी कहा जाता है।
- यह आधारभूत इसलिए है क्योंकि यह अन्य उद्योगों जैसे कि मशीन और औज़ार जो आगे उत्पादों के लिए प्रयोग किए जाते हैं को कच्चा माल प्रदान करता है। इसे भारी उद्योग भी कहते हैं क्योंकि इसमें बड़ी मात्रा में भारी-भरकम कच्चा माल उपयोग में लाया जाता है एवं इसके उत्पाद भी भारी होते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पिघला हुआ लौह बाहर निकलकर जब ठंडा हो जाता है तो उसे कच्चा लोहा कहते हैं। इसी कच्चे लोहे में मैंगनीज मिलाकर इस्पात बनाया जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- परंपरागत रूप से बड़े इस्पात उद्योग की स्थिति कच्चे माल के स्रोत के समीप ही रही है जहाँ लौह-अयस्क, कोयला, मैंगनीज एवं चूना-पत्थर आसानी से उपलब्ध हो जाता हो या यह ऐसे स्थान पर भी अवस्थित हो सकता है जहाँ कच्चा माल आसानी से पहुँचाया जा सके जैसे पत्तन के समीप।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## लौह इस्पात उद्योगों का वितरण:

- उत्तरी अमेरिका, यूरोप एवं एशिया के विकसित देशों में इसका केंद्रीकरण है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख क्षेत्र

1. उत्तर अप्लेशियन प्रदेश : पिट्सबर्ग
   पीट्सबर्ग क्षेत्र का महत्त्व अब घट रहा है एवं इस क्षेत्र को 'जंग का कटोरा' के नाम से पुकारा जाता है।
2. महान झील क्षेत्र: शिकागो, गैरी, इरी, क्लीवलैंड, लोरेन, बफैलो एवं ड्युलुथ।

पिट्सबर्ग (U.S.A)
||
जंग का कटोरा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. एटलांटिक तट : स्पैरोज पोइंट एवं मोरिसविले

4. दक्षिणी राज्य अलाबामा।

एशिया यूरोप महाद्वीप में

- यूरोप में ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी, बेल्जियम, लक्ज़ेमबर्ग, नीदरलैंड एवं सोवियत रूस इसके मुख्य उत्पादक हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ग्रेट ब्रिटेन – बरमिंघम एवं शैफील्ड
- जर्मनी – डूइसबर्ग, डोरटमुंड एवं ऐसेन।
- फ्रांस – ली क्रीयुसोट एवं सेंट इटीनी।
- सोवियत रूस – मास्को, सेंट पीट्रसबर्ग, लीपेटस्क एवं तुला।
- युक्रेन – क्रिबोइ, रॉग एवं दोनेत्सक।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

एशिया महाद्वीप में

- जापान – नागासाकी, टोक्यो एवं योकोहामा।
- चीन – शंघाई एवं वूहान।
- भारत

जमशेदपुर, कुल्टी, दुर्गापुर, राउरकेला, भिलाई,

बोकारो, सलेम, विशाखापटनम एवं भद्रावती।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## सूती कपड़ा उद्योग



इस उद्योग में सूती कपड़े का निर्माण हथकरघा, बिजली करघा एवं कारखानों में किया जाता है।

- हथकरघा क्षेत्र में अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है एवं यह अर्द्धकुशल श्रमिकों को रोज़गार प्रदान करता है। पूँजी की आवश्यकता भी इसमें कम होती है।
- कारखानों में कपड़ा बनाने के लिए अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है परंतु इसमें अच्छे प्रकार के कपड़े का बहुत अधिक मात्रा में उत्पादन किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कपास का उत्पादन भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान एवं मिस्त्र में किया जाता है।
- ग्रेट ब्रिटेन, उत्तरी पश्चिमी यूरोप के देश एवं जापान भी आयातित धागे से सूती कपड़े का उत्पादन करते हैं। अकेला यूरोप विश्व का लगभग आधा कपास आयात करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संकल्पना

- निर्माण क्रियाओं में उच्च प्रौद्योगिकी नवीनतम पीढ़ी है। इसमें उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादकों का निर्माण गहन शोध एवं विकास के प्रयोग द्वारा किया जाता है।



- संपूर्ण श्रमिक शक्ति का अधिकतर भाग व्यावसायिक (सफेद कॉलर) श्रमिकों का होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ये उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यावसायिक श्रमिक वास्तविक उत्पादन (नीला कॉलर) श्रमिकों से संख्या में अधिक होते हैं।
- उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग में यंत्रमानव, कंप्यूटर आधारित डिज़ाइन (कैड) तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रोनिक नियंत्रण एवं नए रासायनिक व औषधीय उत्पाद प्रमुख स्थान रखते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इस भूदृश्य में विशाल भवनों, कारखानों एवं भंडार क्षेत्रों के स्थान पर आधुनिक, नीचे साफ़-सुथरे, बिखरे कार्यालय एवं प्रयोगशालाएँ देखने को मिलती हैं।
- वे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेंद्रित हैं, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं उन्हें प्रौद्योगिक ध्रुव कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उदाहरण – सेन फ्रांसिस्को के समीप सिलीकन घाटी एवं सियटल के समीप सिलीकन वन।



सिलीकन घाटी



सिलीकन वन


mg